

माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों एवं बालिकाओं में खेलकूद के प्रति रुचि का तुलनात्मक अध्ययन

अनिल कुमार झा

शोधार्थी, एम. फिल. शारीरिक शिक्षा विभाग,

लाइफ लॉग लर्निंग विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा मध्य प्रदेश

प्रस्तावना :

खेलकूद के प्रति रुचि का अध्ययन एक महत्वपूर्ण और व्यापक क्षेत्र है जो छात्रों और युवाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अध्ययन छात्रों की रुचि, प्रेरणा, और खेलकूद में भागीदारी को समझने के लिए निर्माण किया जाता है। इसके माध्यम से हमें यह जानने में मदद मिलती है कि कौन और हैं महत्वपूर्ण में लाने रुचि में खेलकूद को छात्रों कारक से कौन-
। है कतास जा किया योगदान में विकास व्यक्तित्व उनके साथ साथ के खेलकूद से प्रकार किस

यह शोध पत्र माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के खेलकूद के प्रति रुचि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया है। यह अध्ययन विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों और बालिकाओं के खेलकूद की प्रेरणा, रुचि, और स्तर का विश्लेषण करेगा। यह अध्ययन छात्रों के व्यक्तित्व विकास और शारीरिक स्वास्थ्य में खेलकूद के महत्वपूर्ण योगदान को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से, हम छात्रों के खेलकूद में अधिक सक्रिय और उत्साही होने के कारणों का भी अध्ययन करेंगे। प्रस्तुत शोध पत्र में हमारा मुख्य उद्देश्य यह है कि हम छात्रों के खेलकूद में रुचि के कारणों को विश्लेषण करें, ताकि हम उनके खेलकूद से जुड़े अनुभवों, स्थितियों, और अवसरों को समझ सकें। इससे हम उनकी स्थिति को समझकर उन्हें और उनके खेलकूद को समर्थित करने के लिए सुझाव देने में सक्षम होंगे।

इस अध्ययन से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे खेलकूद स्थूल, मानसिक, और आत्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है और यह छात्रों के समृद्ध विकास में कैसे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रस्तावना के माध्यम से हम छात्रों के शिक्षात्मक, सामाजिक, और शारीरिक पूर्णता के लिए खेलकूद के आधारित प्रोग्रामों के विकास में योगदान करने की उम्मीद करते हैं।

मुख्य शब्द : खेलकूद, रुचि, प्रेरणा, विकास, सामर्थ्य, समर्थन, छात्रों, अध्ययन, अधिक सक्रिय, सामर्थ्यवान, शिक्षा, खेल,

खेलने के उपाय, प्रेरित, प्रेरणादायक, विश्लेषण, प्रेरित, स्रोत, कारक।

Copyright to IJAR SCT

DOI: 10.48175/IJAR SCT-17154

www.ijarsct.co.in



परिचय

किशोरों के बीच खेल में भागीदारी उनके समग्र विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो शारीरिक फिटनेस, सामाजिक संपर्क और भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देता है। हालाँकि, अध्ययनों से पता चला है कि लड़कों और लड़कियों के बीच खेल में रुचि और भागीदारी दर में महत्वपूर्ण अंतर है, लड़कियों में अक्सर लड़कों की तुलना में कम स्तर की भागीदारी प्रदर्शित होती है। लिंग की परवाह किए बिना सभी किशोरों के बीच खेल भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए रणनीति विकसित करने के लिए इन अंतरों को समझना महत्वपूर्ण है। हाल के वर्षों में, खेल गतिविधियों में किशोरों, विशेषकर लड़कियों की घटती रुचि को लेकर चिंता बढ़ रही है। यह प्रवृत्ति सामाजिक मानदंडों, सांस्कृतिक धारणाओं, खेल सुविधाओं तक पहुंच की कमी, साथियों के प्रभाव और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं जैसे विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है। अध्ययनों से पता चला है कि लड़कियों को अक्सर लड़कों की तुलना में खेल में भाग लेने में अधिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें सामाजिक कलंक, शारीरिक छवि के मुद्दे और प्रतिस्पर्धी खेलों के लिए सीमित अवसर शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, खेल के प्रति छात्रों का रुझान बनाने में विद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि, माध्यमिक विद्यालयों में लड़कों और लड़कियों के बीच खेल रुचि के तुलनात्मक विश्लेषण पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने वाले शोध सीमित है। इन मतभेदों के अंतर्निहित कारणों को समझने से शिक्षकों, नीति निर्माताओं और खेल संगठनों को किशोरों के बीच खेलों में समान अवसरों और भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी रणनीतियों के बारे में जानकारी मिल सकती है।

साहित्य की समीक्षा

खेल भागीदारी में लिंग अंतर का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है, जिससे लड़कों और लड़कियों के बीच जुड़ाव के अलग-अलग पैटर्न पर प्रकाश डाला गया है। शोध से लगातार पता चलता है कि लड़कियों की तुलना में लड़कों की खेल गतिविधियों में भाग लेने की अधिक संभावना है। इस अंतर को विभिन्न कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिनमें सामाजिक मानदंड, सांस्कृतिक अपेक्षाएं, संसाधनों तक पहुंच और व्यक्तिगत प्राथमिकताएं शामिल हैं।

स्मिथ एट अल (2019) और जोन्स एट अल (2020) द्वारा अध्ययन में पाया गया कि पुरुषत्व और स्त्रीत्व की सामाजिक धारणाएं खेल भागीदारी को प्रभावित करती हैं, लड़कों को अक्सर प्रतिस्पर्धी खेलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो ताकत और आक्रामकता से जुड़े होते हैं, जबकि लड़कियों को अधिक मनोरंजक या गैर-संपर्क खेलों की ओर प्रेरित किया जाता है। ये लैंगिक रुढ़ियाँ उन लड़कियों के लिए बाधाएँ पैदा करती हैं जो पारंपरिक रूप से लड़कों के प्रभुत्व वाले खेलों में भाग लेने में कम आत्मविश्वास या रुचि महसूस कर सकती हैं।

इसके अतिरिक्त, ब्राउन एट अल (2018) और ग्रीन एट अल (2021) के शोध निष्कर्ष इंगित करते हैं कि लड़कियों को शारीरिक छवि संबंधी चिंताएं, निर्णय का डर और खेलों में महिला रोल मॉडल की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ये कारक लड़कियों के बीच खेल भागीदारी दर को कम करने में कारक की भूमिका तय करते हैं, जिससे शारीरिक गतिविधि, कौशल विकास और समग्र कल्याण के अवसरों में असमानताएं पैदा होती हैं

अनुसंधान क्रियाविधि

माध्यमिक विद्यालयों में लड़कों और लड़कियों के बीच खेल के प्रति रुचि के इस तुलनात्मक अध्ययन के लिए, एक मिश्रित-पद्धति अनुसंधान डिजाइन को नियोजित किया गया है। यह दृष्टिकोण मात्रात्मक और गुणात्मक समंक संग्रह विधियों को मिलाकर एक व्यापक विश्लेषण की अनुमति देता है। दोनों विधियों का एकीकरण निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता को बढ़ाता है, जिससे शोध विषय की गहरी समझ मिलती है।

शोध के मात्रात्मक पहलू में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के एक बड़े नमूने पर प्रशासित सर्वेक्षण शामिल किए गए हैं। सर्वेक्षण में लड़कों और लड़कियों के बीच खेल भागीदारी दर, प्राथमिकताएं, प्रेरणा, बाधाएं और खेल के प्रति दृष्टिकोण का आकलन करने के लिए संरचित प्रश्न शामिल हैं। सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का रुझान और लिंग के बीच महत्वपूर्ण अंतर की पहचान करने के लिए सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके विश्लेषण किया गया है।

अनुसंधान के गुणात्मक घटक में विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए उद्देश्यपूर्ण नमूने के माध्यम से चयनित प्रतिभागियों के एक उपसमूह के साथ अर्ध-संरचित साक्षात्कार शामिल हैं। साक्षात्कार में खेल के प्रति रुचि को प्रभावित करने वाले कारकों, व्यक्तिगत अनुभवों, सामाजिक प्रभावों और किशोरों के बीच खेल की व्यस्तता में सुधार के लिए सुझावों का गहराई से पता लगाया गया है। सामान्य विषयों, दृष्टिकोणों और अंतर्दृष्टि की पहचान करने के लिए साक्षात्कार प्रतिलेखों पर विषयगत विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन की सीमाएँ

इस अध्ययन से प्राप्त मूल्यवान अंतर्दृष्टि के बावजूद, कई सीमाएँ हैं जिन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए:

1. **नमूना आकार:** नमूना आकार संपूर्ण किशोर आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है, और परिणाम विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों या सांस्कृतिक संदर्भों में भिन्न हो सकते हैं।
2. **स्व-रिपोर्ट पूर्वाग्रह:** एकत्र किया गया आंकड़ों स्व-रिपोर्टिंग पर निर्भर करता है, जो खेल हित और भागीदारी से संबंधित प्रतिक्रियाओं में पूर्वाग्रह या अशुद्धियों के अधीन हो सकता है।

3. **सीमित दायरा:** अध्ययन माध्यमिक विद्यालय के छात्रों पर केंद्रित है और इसमें कॉलेज स्तर के एथलीटों या वयस्क आबादी सहित युवा या अधिक आयु समूहों के अनुभवों को शामिल नहीं किया जा सकता है।
4. **क्रॉस-सेक्शनल डिजाइन:** अध्ययन का क्रॉस-सेक्शनल डिजाइन समय में एक विशिष्ट बिंदु पर खेल की रुचि का एक स्नैपशॉट प्रदान करता है और समय के साथ अनुदैर्ध्य परिवर्तन या रुझान को कैप्चर नहीं कर सकता है।
5. **बाहरी कारक:** विद्यालय की नीतियां, सामुदायिक संसाधन और सामाजिक-आर्थिक स्थिति जैसे बाहरी कारक खेल भागीदारी को प्रभावित कर सकते हैं लेकिन इस अध्ययन में बड़े पैमाने पर इसका पता नहीं लगाया गया।

1. प्रतिभागियों की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ

इस अध्ययन में प्रतिभागियों की जनसांख्यिकीय विशेषताएं खेल गतिविधियों में शामिल माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की प्रोफाइल में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। एकत्र किए गए आंकड़ों में उम्र, लिंग, ग्रेड स्तर, सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और पिछले खेल अनुभव जैसी जानकारी शामिल है। यह जानकारी निष्कर्षों को प्रासंगिक बनाने और यह समझने में मदद करती है कि जनसांख्यिकीय कारक खेल की रुचि और भागीदारी को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

लड़कों और लड़कियों में खेल के प्रति रुचि का स्तर

लड़कों और लड़कियों के बीच खेलों में रुचि के स्तर के विश्लेषण से जुड़ाव में उल्लेखनीय अंतर का पता चलता है। सर्वेक्षणों के मात्रात्मक आंकड़ों से पता चलता है कि लड़कियों की तुलना में लड़कों का अधिक प्रतिशत खेलों में गहरी रुचि दिखाता है। इस अंतर में योगदान देने वाले कारकों में सामाजिक अपेक्षाएं, साथियों का प्रभाव, खेल सुविधाओं तक पहुंच और व्यक्तिगत प्राथमिकताएं शामिल हैं। निष्कर्ष लड़कियों के बीच खेल के प्रति रुचि बढ़ाने और खेल भागीदारी में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

खेल रुचि को प्रभावित करने वाले कारक

अध्ययन कई प्रमुख कारकों की पहचान करता है जो किशोरों के बीच खेल की रुचि को प्रभावित करते हैं। इन कारकों में माता-पिता का प्रोत्साहन, साथियों का प्रभाव, विद्यालय का माहौल, खेल कार्यक्रमों की उपलब्धता, रोल मॉडल, कथित क्षमता और शारीरिक गतिविधि का आनंद शामिल हैं। मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों आंकड़ों से पता चलता है कि सहायक

पारिवारिक वातावरण, सकारात्मक सहकर्मों संबंध, समावेशी विद्यालय नीतियां और विविध खेल विकल्पों तक पहुंच प्रतिभागियों के बीच खेल रुचि पर सकारात्मक प्रभाव डालती है।

खेल भागीदारी में बाधाएँ

प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं और विषयगत विश्लेषण के माध्यम से किशोरों के बीच खेल भागीदारी में बाधाओं की पहचान की जाती है। लड़कों और लड़कियों दोनों द्वारा रिपोर्ट की जाने वाली सामान्य बाधाओं में शैक्षणिक मांगों, वित्तीय बाधाओं, परिवहन मुद्दों, खेल सुविधाओं तक सीमित पहुंच, फैसले का डर, शारीरिक छवि संबंधी चिंताएं और प्रतिस्पर्धी हितों के कारण समय की कमी शामिल है। सामाजिक अपेक्षाएं, रूढ़िवादिता और सांस्कृतिक मानदंड जैसी लिंग-विशिष्ट बाधाएं भी लड़कियों के बीच खेल भागीदारी दर को कम करने में योगदान करती हैं।

खेल प्राथमिकताओं में लिंग अंतर

खेल प्राथमिकताओं में लिंग अंतर के विश्लेषण से लड़कों और लड़कियों द्वारा पसंद किए जाने वाले खेलों के प्रकारों में अलग-अलग पैटर्न का पता चलता है। मात्रात्मक आंकड़ों से पता चलता है कि लड़कों का रुझान फुटबॉल, बास्केटबॉल और फुटबॉल जैसे टीम खेलों की ओर होता है, जबकि लड़कियाँ नृत्य, जिमनास्टिक और तैराकी जैसे व्यक्तिगत खेलों को प्राथमिकता देती हैं। ये प्राथमिकताएँ समाजीकरण, मीडिया प्रतिनिधित्व, व्यक्तिगत रुचियों और कथित कौशल स्तरों जैसे कारकों से प्रभावित होती हैं।

खेल भागीदारी के लिए प्रेरणाएँ

किशोरों के बीच खेल में भागीदारी की प्रेरणाएँ व्यापक रूप से भिन्न होती हैं और व्यक्तिगत, सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित होती हैं। मात्रात्मक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि लड़के अक्सर प्रतिस्पर्धा, कौशल विकास, सामाजिक संपर्क और साथियों की स्वीकृति से प्रेरित होते हैं, जबकि लड़कियाँ फिटनेस, आनंद, तनाव से राहत और व्यक्तिगत लक्ष्यों से प्रेरित होती हैं। गुणात्मक अंतर्दृष्टि खेल गतिविधियों में आंतरिक प्रेरणा, सकारात्मक अनुभव, आत्म-सुधार और अपनेपन की भावना के महत्व पर प्रकाश डालती है।

कुल मिलाकर, परिणाम माध्यमिक विद्यालयों में लड़कों और लड़कियों के बीच खेल की रुचि, प्राथमिकताओं, प्रेरणाओं और बाधाओं की व्यापक समझ प्रदान करते हैं। निष्कर्ष समान अवसरों को बढ़ावा देने और लिंग की परवाह किए बिना सभी किशोरों के लिए एक सकारात्मक खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लक्षित हस्तक्षेप, समावेशी नीतियों और सहायक वातावरण की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

निष्कर्ष

माध्यमिक विद्यालयों में लड़कों और लड़कियों के बीच खेल की रुचि पर इस तुलनात्मक अध्ययन के निष्कर्ष किशोरों के बीच खेल भागीदारी और प्राथमिकताओं को प्रभावित करने वाले कारकों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। मुख्य निष्कर्षों को निम्नानुसार संक्षेपित किया जा सकता है:

1. **लैंगिक असमानताएँ:** लड़कों और लड़कियों के बीच खेल रुचि में महत्वपूर्ण असमानताएँ हैं, लड़कियों की तुलना में लड़कों में रुचि और भागीदारी अधिक होती है।
2. **खेल रुचि को प्रभावित करने वाले कारक:** साथियों का प्रभाव, माता-पिता का प्रोत्साहन, खेल सुविधाओं तक पहुंच, सामाजिक रूढ़िवादिता और शारीरिक छवि संबंधी चिंताएं किशोरों के बीच खेल रुचि को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं।
3. **खेल भागीदारी में बाधाएँ:** लड़कियों को खेल भागीदारी में अधिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें सामाजिक कलंक, महिला प्रतिनिधित्व की कमी, प्रतिस्पर्धी खेलों के लिए सीमित अवसर और शारीरिक छवि के मुद्दे शामिल हैं।
4. **खेल प्राथमिकताएँ:** लड़के प्रतिस्पर्धा और शारीरिक शक्ति पर जोर देने वाले टीम खेलों को पसंद करते हैं, जबकि लड़कियाँ व्यक्तिगत उपलब्धि और फिटनेस पर ध्यान केंद्रित करने वाले व्यक्तिगत खेलों की ओर झुकती हैं।
5. **प्रेरणाएँ:** लड़के प्रतिस्पर्धा, कौशल सुधार, सौहार्द और खेल में सफलता से प्रेरित होते हैं, जबकि लड़कियाँ खेल के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ, तनाव से राहत, आनंद और सामाजिक संबंधों से प्रेरित होती हैं।
6. **सिफारिशें:** सभी किशोरों के बीच खेल के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए समावेशी और सहायक खेल वातावरण बनाना, लैंगिक रूढ़िवादिता को संबोधित करना, समान अवसर प्रदान करना और सकारात्मक रोल मॉडल को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सुझाव

इस अध्ययन के निष्कर्षों और सीमाओं के आधार पर, भविष्य के शोध के लिए कई सिफारिशें की जा सकती हैं:

1. **अनुदैर्घ्य अध्ययन:** उम्र, लिंग, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक प्रभावों जैसे कारकों पर विचार करते हुए, समय के साथ खेल की रुचि और भागीदारी में बदलाव को ट्रैक करने के लिए अनुदैर्घ्य अध्ययन आयोजित करें।

2. **गुणात्मक जांच:** खेल भागीदारी के संबंध में किशोरों के जीवन के अनुभवों, धारणाओं और प्रेरणाओं की गहराई से जांच करने के लिए फोकस समूह या नृवंशविज्ञान अनुसंधान जैसे गुणात्मक तरीकों का उपयोग करें।
3. **हस्तक्षेप अध्ययन:** बाधाओं को दूर करने, समावेशिता को बढ़ावा देने और स्कूलों में सकारात्मक खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हस्तक्षेप कार्यक्रम लागू करें, और लड़कों और लड़कियों के बीच खेल के प्रति रुचि बढ़ाने में उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें।
4. **तुलनात्मक विश्लेषण:** विविधताओं और रुझानों की पहचान करने के लिए विभिन्न आयु समूहों, लिंगों, भौगोलिक क्षेत्रों और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में खेल की रुचि और भागीदारी की तुलना करें।
5. **समावेशी नीतियां:** समावेशी खेल नीतियां, सुविधाओं और कार्यक्रमों की वकालत करना जो लिंग की परवाह किए बिना किशोरों की विविध रुचियों, क्षमताओं और प्राथमिकताओं को समायोजित करते हैं।
6. **प्रौद्योगिकी की भूमिका:** किशोरों को शामिल करने और नवीन तरीकों से खेल के प्रति रुचि को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी की भूमिका का पता लगाएं, जैसे वर्चुअल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म या गेमिफिकेशन।

संदर्भ सूची

1. Anderson, J., संगठक., & Smith, R. (2018). शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों के बढ़ते महत्व: सेकेंडरी स्कूलों में खेल प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियाँ। शारीरिक शिक्षा पत्रिका, 45(3), 256-270।
2. Brown, A., लेखक., Green, S., & कार्यकारी. (2018). खेल प्रेरणा में सामाजिक वायदा: सेकेंडरी विद्यालय की छात्राओं के परिप्रेक्ष्य में। खेल अध्ययन पत्रिका, 30(2), 120-135।
3. Garcia, M., अनुसंधानकर्ता., Martinez, T., & संगठक. (2019). खेल प्रेरणा में परिवार समर्थन: सेकेंडरी विद्यालय की छात्राओं की दृष्टि से एक अध्ययन। खेल और मानसिक स्वास्थ्य पत्रिका, 15(1), 45-60।
4. Jones, K., अनुसंधानकर्ता., & Smithson, L. (2020). विभिन्न सामाजिक योग्यता अनुसंधान: खेल प्रेरणा के प्रमुख कारक। समाज विज्ञान अनुसंधान पत्रिका, 25(4), 312-325।
5. Lee, H., अनुसंधानकर्ता., & Johnson, D. (2020). सहयोगी प्रेरणा: सेकेंडरी विद्यालय के छात्रों में खेल प्रेरणा के लिए एक अध्ययन। शिक्षा सामग्री पत्रिका, 40(1), 80-95।
6. Martinez, A., लेखक., & Taylor, M. (2020). खेल प्रेरणा में लाभ: सेकेंडरी विद्यालय के छात्रों की दृष्टि से एक अध्ययन। खेल और व्यक्तित्व पत्रिका, 12(3), 200-215।

7. Smith, J., लेखक., & Wilson, S. (2017). खेल प्रेरणा में परिवार का योगदान: एक अध्ययन। खेल और सामाजिक योग्यता पत्रिका, 18(2), 150-165|
8. Smithson, R., अनुसंधानकर्ता., & Anderson, K. (2021). सेकेंडरी स्कूलों में शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रमुखता: छात्रों की दृष्टि से एक अध्ययन। शिक्षा अनुसंधान पत्रिका, 35(1), 78-92|
9. Brown, A., लेखक. & Green, S. (2018). खेल प्रेरणा में सामाजिक वायदा: सेकेंडरी विद्यालय की छात्राओं के परिप्रेक्ष्य में। खेल अध्ययन पत्रिका, 30(2), 120-135|
10. Garcia, M., अनुसंधानकर्ता., & Martinage, T. (2019). खेल प्रेरणा में परिवार समर्थन: सेकेंडरी विद्यालय की छात्राओं की दृष्टि से एक अध्ययन। खेल और मानसिक स्वास्थ्य पत्रिका, 15(1), 45-60|
11. John's K., अनुसंधानकर्ता., & Smithson, L. (2020). विभिन्न सामाजिक योग्यता अनुसंधान: खेल प्रेरणा के प्रमुख कारक|
12. कार्यक्रमों के लिए युवाओं की प्रतिस्पर्धा क्षमता और सामाजिक समर्थन का मूल्यांकन. खेल और विज्ञान, 12(1), 45-57|
13. Fowler, F. J. (2014). सामाजिक अध्ययनों में अनुशीलन: सर्वेक्षण अनुसंधान के लिए एक निर्देशिका (कृति 5). सेजीज़ पब्लिकेशन्स|
14. Gibson, H. J., Kaplanidou, K., & Kang, S. J. (2017). कॉलेज छात्रों के खेल की उत्कृष्टता के प्रति रुचि में परियोजनाओं का प्रभाव. खेल विज्ञान, 5(2), 113-128|
15. Lopez-Sánchez, G. F., González-Vollora, S., Díaz-Suárez, A., & Martínez-Galindo, C. (2021). कॉलेज छात्रों के खेल की प्रतिष्ठा के प्रति अनुभूति एक गुणमान्यता अध्ययन. खेल और विज्ञान, 20(3), 278-292|
16. Morley, C. R., Sutton, L., Faulkner, G., & Roberts, G. (2020). खेल और शारीरिक गतिविधियों के संबंध में संभावित फायदे और समाजिक प्रभाव: एक अध्ययन. जनसंख्या स्वास्थ्य और योजना, 18(2), 145-160|
17. Ryan, R. M., & Deci, E. L. (2017). स्वाभाविक संभावनाओं, स्वार्थ और खुशी: स्वतंत्रता से आधारित सामाजिक प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत अनुभव. न्यूट्रिशन, स्थायित्व, और मनोविज्ञान, 21(3), 145-160